सं० 11014/15/2026-रा.भा.(पत्रिका)
भारत सरकार
गृह मंत्रालय
राजभाषा विभाग
******

एनडीसीसी-II भवन, चौथा तल
जय सिंह रोड़, नई दिल्ली - 01
दिनांक: 16.06. 2026

कार्यालय ज्ञापन

विषय: - हिंदी दिवस, 2026 एवं छठे अखिल भारतीय राजभाषा सम्मेलन की 'स्मारिका' के लिए लेख आमंत्रित करने के संबंध में।

14 सितंबर, 1949 को भारत की संविधान सभा द्वारा हिंदी को संघ की राजभाषा के रूप में अंगीकार करने के उपलक्ष्य में राजभाषा विभाग, गृह मंत्रालय द्वारा प्रत्येक वर्ष हिंदी दिवस का आयोजन किया जाता है। माननीय गृह एवं सहकारिता मंत्री जी की अध्यक्षता में हिंदी दिवस, 2026 एवं छठे अखिल भारतीय राजभाषा सम्मेलन का आयोजन 14-15 सितंबर, 2026 को नवी मुंबई (महाराष्ट्र) में किया जाएगा। इस अवसर पर राजभाषा विभाग द्वारा एक विशेष स्मारिका का प्रकाशन किया जा रहा है।

2. 'हिंदी दिवस 2026 एवं छठे अखिल भारतीय राजभाषा सम्मेलन' के उपलक्ष्य में प्रकाशित होने वाली उपर्युक्त स्मारिका को 'वंदे मातरम्' विषय पर केन्द्रित विशेषांक के रूप में प्रकाशित किया जाएगा, जिसके लिए राष्ट्रीय गीत 'वंदे मातरम्' के महत्व को प्रतिपादित करने वाले निम्नलिखित विषयों पर सरल और सहज हिंदी में उत्कृष्ट लेख/शोध आलेख आमंत्रित किए जाते हैं :-

1. 'वंदे मातरम्' गीत की रचना : परिस्थितियाँ और ऐतिहासिक पृष्ठभूमि;

2. बंकिमचंद्र चट्टोपाध्याय : व्यक्तित्व, कृतित्व और राष्ट्रभावना;

3. भारतीय स्वाधीनता आंदोलन में 'वंदे मातरम्' गीत की प्रेरक भूमिका (कालक्रम अनुसार);

4. 'वंदे मातरम्' : गुलामी के विरुद्ध वैचारिक जागृति का उद्‌घोष;

5. वंदे मातरम् और हिंदी साहित्य की राष्ट्रीय चेतना;

6. भारतीय भाषाओं में वंदे मातरम् की अभिव्यक्ति;

7. राष्ट्रीय गीत 'वंदे मातरम्' और भारतीय भाषाई एकात्मता;

(कृ. प.उ.)

8. 'वंदे मातरम्' : राष्ट्रीय एकता, भाषा और संस्कृतियों का सेतु;

9. भारतीय कला, संगीत और रंगमंच में 'वंदे मातरम्';

10. आधुनिक भारत में 'वंदे मातरम्' गीत की प्रासंगिकता;

11. 'वंदे मातरम्' : राष्ट्रीय अस्मिता, स्वाभिमान और आत्मगौरव का प्रतीक;

12. युवा पीढ़ी और 'वंदे मातरम्' : वर्तमान परिप्रेक्ष्य।

3. स्मारिका में प्रकाशन के लिए लेखों के चयन के संबंध में अंतिम निर्णय राजभाषा विभाग का होगा। लेख यूनिकोड आधारित फॉन्ट में टाइप किए हुए, व्याकरणिक एवं तथ्यात्मक दृष्टि से सही तथा अधिकतम 3000 शब्दों तक हो सकते हैं। शोध से जुड़े लेखों में शब्द-सीमा 5000 शब्दों तक हो सकती है। लेखक अपने नाम, पता, ईमेल एवं संपर्क नंबर सहित कृपया इस आशय का एक स्व हस्ताक्षरित प्रमाण पत्र भी अनिवार्य रूप से संलग्न करें कि लेख मौलिक एवं अप्रकाशित है और इसे अन्यत्र प्रकाशनार्थ नहीं भेजा गया है। प्रकाशित लेखों पर राजभाषा विभाग का कॉपीराइट होगा। कृपया लेख (लेखक के फोटो सहित) दिनांक 20.07.2026 तक ई मेल आई डी patrika-ol@nic.in पर भिजवाना सुनिश्चित करें।

4. यह सक्षम प्राधिकारी के अनुमोदन से जारी किया जाता है।

(राजेश श्रीवास्तव)
संयुक्त निदेशक(पत्रिका)

प्रतिलिपि :

i. एन आई सी अनुभाग को इस अनुरोध सहित कि इस कार्यालय ज्ञापन को सभी के सूचनार्थ राजभाषा विभाग की वेबसाइट पर अपलोड कराएं।

ii. भारत सरकार के सभी मंत्रालय/विभाग/सार्वजनिक क्षेत्र के उपक्रम/राष्ट्रीयकृत बैंक एवं स्वायत्त निकाय आदि।